विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - द्वितीय विषय - हिंदी

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 07 - 08- 2021

पाठ – 5

नेवले ने लाज रखी

सुप्रभात बच्चों ,

आज की कक्षा में आपको शेष अभ्यास कार्य के बारे में जानना है , जो इस प्रकार है –

3. पहले क्या हुआ, फिर क्या–क्या हुआ? बताइए।

- ☐ इस तरह वह शिशु नेवले की भी माँ बन गई थी।
- ☐ वह छोटे नेवले को घर ले आई।
- ☐ एक भरा पूरा नगर था। यहाँ एक पंडित रहता था।
- ☐ माता–पिता घर में नहीं थे। शिशु की रक्षा का भार केवल छोटे नेवले पर आ पड़ा।
- ☐ लोक प्रचलित नीति के अनुसार अपने बच्चे के शरीर को छूकर माँ को असीम सुख मिलता है।
- ☐ पंडिताइन ने नेवले का मुँह देखा। उस पर खून लगा था।
- ☐ नेवले ने साँप के टुकड़े–टुकड़े कर दिए।

4. क्या होगा अगर ?

(क) यदि नेवली के शिशु पर पंडिताइन को दया न आती तो?

(ख) माता–पिता के घर पर न होने के कारण शिशु की रक्षा का भार छोटे नेवले पर न आता तो?

(ग) नेवले ने साँप को न मारा होता तो क्या होता?

(घ) पंडिताइन नेवले के मुँह पर लगे खून को देखकर यदि घबराई न होती?

5. एक–अनेक :

घड़ी –	घड़ियाँ	बच्चा –	.....	मुख –	.....
पालना –	.....	बेटा –	.....	कथा –	.....

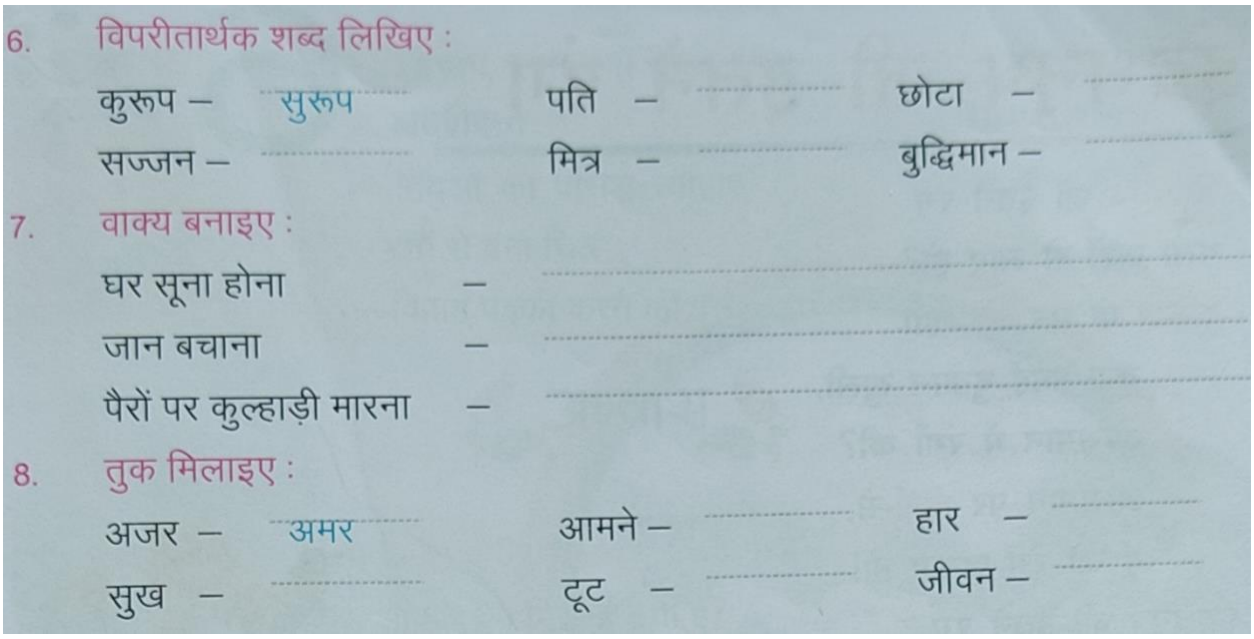
6. विपरीतार्थक शब्द लिखिए :

कुरूप – सुरूप पति – ..... छोटा – .....

सज्जन – ..... मित्र – ..... बुद्धिमान – .....

7. वाक्य बनाइए :

घर सूना होना – .....

जान बचाना – .....

पैरों पर कुल्हाड़ी मारना – .....

8. तुक मिलाइए :

अजर – अमर आमने – ..... हार – .....

सुख – ..... टूट – ..... जीवन – .....

गृहकार्य

दिए, गए अध्ययन सामग्री को हल करें -

****

ज्योति